विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 22 से 28 मई 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 51 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

विश्व में भारत को चमका रहे हैं नरेन्द्र मोदी

शरद पवार ने किया पहली बार प्रधानमंत्री का गुणगान,भौहें तनी

विदर्भ स्वाभिमान,21 मई

मुंबई-राकांपा शरद पवार गुट के प्रमुख शरद पवार ने पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विश्वभर में दौरे करते हुए भारत का नाम चमकाया है. उनके इन्हीं प्रयासों से भारत आगामी 10-20 साल तक सुरक्षित और प्रगति में आगे बढ़ेगा. इस बयान को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

राकांपा अध्यक्ष अध्यक्ष शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों, विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती पहचान की सराहना की. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत करने का काम कर रहे हैं. इसे केवल राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए. हालांकि, विपक्षी दलों के कई नेता प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरों पर सवाल उठा रहे हैं. पवार के बयान

पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता ने जो बात कही है, वह महत्वपूर्ण है. कहा कि शरद

पवार ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत को मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जरूरत है. उन्होंने कहा कि हमारी और उनकी विचारधारा अलग हो सकती है, लेकिन वे विभिन्न देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर हैं. वहीं, मुख्यमंत्री फडणवीस ने पवार के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरों से राष्ट्र को भारी लाभ हुआ है.

राकांपा (शरद) अध्यक्ष शरद पवार की मौजूदगी में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अहम बैठक हुई. बैठक में सांसद सुप्रिया सुले और वरिष्ठ नेता जयंत पाटील ने साफ कहा कि दोनों गुटों का अब विलय नहीं होगा. हालांकि, पवार ने इस मुद्दे पर कोई प्रत्यक्ष टिप्पणी नहीं की. लेकिन उनकी मौजूदगी में पार्टी के नेताओं के रुख से ऐसा माना जा रहा है कि वे भी इस निर्णय से सहमत है. इससे दोनों गुटों के विलीनीकरण की अटकलों पर पर पूरी तरह विराम लग गया है. बैठक में पवार ने कहा कि संगठन को मजबूत करने और विपक्ष की भूमिका को धारदार बनाने पर जोर दिया जाएगा. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हमें जमीनी स्तर पर काम करने और पार्टी को और ताकतवर बनाना होगा. पवार के बयान को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, इसके दूरगामी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में दिखावटीपन वहीं दिखाना चाहिए, जहां आपके लिए आत्मीयता नहीं होती है. लेकिन नकली प्रेम से रिश्तों को कभी मजबूत नहीं किया जा सकता है. जबकि असली प्रेम सदा सम्मान और दिल में प्रेम जगाने का काम करता है. दुर्भाग्यवश नकली प्रेम करने वालों की आवाज तेज होती है और असली प्रेम करने वाले बिना कुछ बोले सदा करने का भाव रखते हैं. रिश्तों में नकली प्रेम से बचने का प्रयास करना चाहिए.

राज्य में बंद रहे 50 हजार मेडिकल स्टोर्स

मुंबई- अपनी विभिन्न प्रलंबित मांगों को लेकर देश में मंगलवार को मेडिकल दुकानदारों ने दुकानें बंद रखकर विरोध जताया. ई-फार्मेसी का अवैध संचालन और बड़ी कंपनियों के कथित मूल्य निर्धारण (प्रिडेटरी प्रहसिंग) नौतियों के विरोध में मंगलवार को देश भर में केमिस्ट ने अपने मेडिकल स्टोर बंद रखें. इस दौरान राज्यभर के 50,000 से अधिक मेडिकल स्टोर भी बंद रखे गए. इस एक दिवसीय बंद का आह्वान देशभर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट और दवा वितरकों का प्रतिनिधित्व करने वाली संगठन आल इंडिया आर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट ने किया था. इस एक दिवसीय बंद से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई.इसे ध्यान में रखने के भीतर स्थिडिकल स्टीव औषधि केंद्र और चारका दुकानों को आपतकालीन सेवाश्री के लिए खुला रखा. राज्य के केमिस्ट एड दुनिस्ट सीसिएशन के महासचिव अनिल पदर ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं को क अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद रहे. उन्होंने हमले में केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

भीषण गर्मी है खतरनाक भविष्य का संकेत,संभलना होगा

अमरावती शहर के साथ ही देश में जिस तरह से गर्मी ने कहर मचाया है और इस दौरान जिस तरह से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं, वह बढ़ते क्लाईमेट बदलाव के साथ ही ग्लोबल वार्मिंग के खतरनाक नतीजों की ओर ध्यान देकर मानव को समय रहते संभलने का संकेत दे रहे हैं. यह स्थिति भविष्य के लिए अत्याधिक खतरनाक है. अमरावती का तापमान तो राष्ट्रीय स्तर पर कई बार रिकार्ड रहा है. चंद्रपुर की बजाय अमरावती और अकोला में तापमान की स्पर्धा लगी है. यह स्पर्धा त्राहि-त्राहि करवा रही है. यह सोचने का विषय है कि जिस तरह से विकास के नाम पर पेड़ों की कटाई की जा रही है और पौधारोपण केवल औपचारिकता बना है, कुछ संस्थाओं की सहभागिता के कारण स्थिति ठीक है, वर्ना पेड़ों का कटना और तापमान का बढ़ना निश्चित तौर पर भविष्य में जलसंकट के साथ अनगिनत तकलीफें पैदा करेगी. समय रहते पर्यावरण संतुलन के मामले में सभी को प्रयास करना होगा. केवल सरकार पर ही धकेलने से काम नहीं होगा. हर व्यक्ति को जन्म से मरण तक 10 पेड़ के आक्सीजन और जलाने के लिए जरूरत पड़ती है, ऐसे में हर व्यक्ति को बीस पेड़ लगाने तथा उनके संवर्धन का प्रयास करना चाहिए. अस्पताल में आक्सीजन लगने पर हजारों रूपए का भुगतान करने के बाद भी प्रकृति के उपकारों को हम कब समझेंगे, यह असली सवाल है. इस वर्ष भीषण गर्मी ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है. तापमान लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है, सड़कों पर सन्नाटा पसरा है, अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या बढ़ रही है और जलस्रोत तेजी से सूखते जा रहे हैं. यह केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि प्रकृति की एक गंभीर चेतावनी है, जिसे अब नजरअंदाज करना मानवता के लिए भारी पड़ सकता है.

गर्मी का बढ़ता प्रकोप केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुका है. क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम का संतुलन बिगड़ रहा है. कभी असमय बारिश, कभी सूखा और अब असहनीय गर्मी ये सभी संकेत हैं कि प्रकृति अपना संतुलन खो रही है.भीषण गर्मी का सबसे अधिक प्रभाव गरीब और मजदूर वर्ग पर पड़ता है. जो लोग खुले आसमान के नीचे काम करने को मजबूर हैं, उनके लिए हर दिन जीवन और मृत्यु के संघर्ष जैसा बन गया है. किसान भी परेशान हैं; खेतों में नमी कम हो रही है, फसलें प्रभावित हो रही हैं और जल संकट गहराता जा रहा है.

ऐसे समय में केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का भी कर्तव्य है. वृक्षारोपण को अभियान नहीं, आदत बनाना होगा. पानी का संरक्षण करना होगा, अनावश्यक बिजली की खपत कम करनी होगी और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी. धरती माता को हराभरा करने का संकल्प लेने की आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है.सरकार को भी शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण योजनाओं को प्रभावी बनाने और आम जनता को जागरूक करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे. केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं, उनका सही क्रियान्वयन भी जरूरी है.भीषण गर्मी हमें यह संदेश दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी. समय की मांग है कि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलें, क्योंकि यही मानव जीवन के सुरक्षित भविष्य की कुंजी है.

नहीं है संतोष,सभी खुशियों से महरूम

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

क़हते हैं कि जीवन में कितनी भी सुविधा मिल जाए, अगर हमें संतोष नहीं है तो जीवन भर हमें असंतोष यानी अपनी खुशियों की बलि देकर जीना पड़ता है.गरीबी से करोड़पति बनने के बाद अरबपति बनने की चाहत ही खुशियों से महरूम करती है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज दिखावे के चक्कर में हर व्यक्ति खुशी से दूर होता जा रहा है. गांव में आज भी आत्मीयता है. लेकिन जो स्वार्थी हैं, उन्हें कहीं भी सुख नहीं है.आज हर व्यक्ति सुविधाओं , सजावट, बनाकर और दिखावट के पीछे भाग रहा है.जबकि जितना प्रभु ने दिया है, उतने में भी संतोष कर जीवनयापन किया जा सकता है. लेकिन आज दिखावट के दौर में हर व्यक्ति खर्चो से परेशान है. आमदनी अठन्नी, खर्चा रूपैया वाली स्थिति के कारण हर व्यक्ति परेशान है. लेकिन बिडंबना ऐसी है कि उसे हिम्मत देने वाला कोई नहीं है. बल्कि थोड़ी सी प्रशंसा कर डूबने वाले पर दो और पत्थर फेंकने वाले भरपूर हैं.

कहते हैं कि संतोषम परम सुखम. मन में अगर संतोष हो तो एक रोटी से भी पेट भर जाता है. कुछ सम्पत्ति से भी संतोष हो जाता है. लेकिन अगर मन में संतोष नहीं हो तो कई रोटी और करोड़ों रूपए की सम्पत्ती मिलने के बाद भी संतोष नहीं होता है. कुछ यही सिद्धांत हमारे जीवन का है. जब हम अच्छी सोच के साथ कुछ सोचते हैं तो उसमें भी आनंद आता है. वहीं कई लोग कभी जीवन में किसी के बारे में अच्छा नहीं सोचने की मानसिकता से कुंठित रहते हैं. खुशियों का कोई मापदंड नहीं रहता है. खुशियां तो हर जगह से प्राप्त की जा सकती है. कई बार झोपड़ी में जो खुशी मिलती है, वह खुशी किसी बंगले में नहीं मिलती है. वैसे भी कहते हैं कि इन्सान के लिए बड़ा बंगला तब तक केवल दीवार का ढांचा है, जब तक उस घर के सभी सदस्यों में आपसी प्रेम, सद्भावना, आपसी दर्द का एहसास और बढ़ता अपनापन नहीं हो. आजकल तो यह दौर खत्म होता प्रतीत होता है. रिश्तों को सहेजने वालों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है. यही कमी हर एक की परेशानी का कारण भी बन रही है, इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज हर व्यक्ति पैसे, पद,प्रतिष्ठा और दूसरे से और आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत है. लेकिन आत्मिक आनंद तथा दिली खुशियों के लिए उसके जो पसंदीदा विषय हैं, उन विषयों को भी समय नहीं दे पा रहा है. यही कारण है कि आज हर व्यक्ति परेशान है. इसीलिए कोशिश यह करें कि जिंदगी बड़े भाग्य से मिली है, ऐसे में कुछ जरूरतमंदों और कुछ अपने लिए भी जीने का प्रयास करें. उसका आनंद अलग ही रहेगा. आज दिखावे के जमाने में महंगाई के नाम से रोने वालों की कमी नहीं है. लेकिन हम भूल जाते हैं कि महंगाई को बढ़ाने का काम हमने किया. पहले लोग बगीचों में ट्रिप मना लेते थे, वहां पर कच्चा चिवड़ा तथा अन्य घरेलू सामान से बनने वाला नाश्ता पेट के साथ ही जेब के लिए भी बेहतरीन हुआ करता था. लेकिन आज स्थिति है कि मध्यम वर्गीय व्यक्ति को भी लंबी ट्रीप पर जाने की गड़बड़ी रहती है. किसी बगीचे अथवा अन्य प्राकृतिक सुंदरता से लैस स्थान पर पिकनिक मनाने पर जो खुशी होती है, वह स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक लिहाज से भी बढ़िया होती है. बच्चों को जहां साथ बिताने का समय मिलता है, वहीं उन्हें कम खर्च में भी इन्जॉय कैसे प्राप्त हो सकता है, इसकी शिक्षा मिलती है. खुशियां हमारे पास रहती हैं लेकिन दुर्भाग्य की हम उन्हें सुविधाओं में देखते हैं. परमात्मा के प्रति जीवनभर आभार जताने का भाव नहीं रखते हैं जबकि उनकी कृपा से साइकिल से दोपहिया,चार पहिया वाहन तक पहुंच गए हैं. जीवन के सुख का कारण केवल संतोष ही है. इसे कभी नहीं जाने दें.

ख़ुशियां बांटने वालों की खुशी

पेज 4 से जारी-जाती है.हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी सेवा और दान को सर्वोच्च बताया गया है. भगवद्गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि निस्वार्थ भाव से किया गया कर्म मनष्य को सच्चा सुख प्रदान करता है. जब हम बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के लिए कुछ करते हैं, तो हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.

पूज्य गुरू शिव शर्मा के मुताबिक आज हमारे मन के लाभ,लालच, किसी के साथ भी ईमानदार नहीं रहने की सोच ही हमारे दुखों का सबसे बड़ा कारण बनती है. स्वार्थ ने सगे रिश्तों को भी प्रभावित किया है. ऐसे में यह जरूरी है कि हम अपनी खुशियों के साथ ही दूसरे की खुशियों का भी ध्यान रखे. आज के भागदौड़ भरे जीवन में लोग अपनी ख़ुशियों को केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित कर लेते हैं, जबकि यदि वे अपने आसपास के लोगों के साथ प्रेम, सहयोग और अपनापन बांटें, तो जीवन कहीं अधिक सुंदर और आनंदमय बन सकता है.

अंततः यही कहा जा सकता है कि खुशियां पाने का सबसे सरल और सुंदर मार्ग है खुशियां बांटना. जो दूसरों के जीवन में दीप जलाता है, उसके जीवन में अंधकार कभी नहीं रहता. इसलिए हमें अपने जीवन में प्रेम, दया और सेवा के माध्यम से खशियां बांटने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि खशियां बांटने वाले को ही सच्ची खशी मिलती है. खुशियां देने से ही मिलती हैं, ऐसे में सदा दूसरों को देने का प्रयास करें.

शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण पुरस्कार प्रदान

धनबाद- झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है. राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित समारोह में वर्ष 2026 के पहले पद्म परस्कार प्रदान किए. राज्य के विकास के साथ ही आदिवासियों के कल्याण के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए यह पुरस्कार प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया. गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 25 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण देने की घोषणा की थी. शिबू सोरेन को पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने पर झामुमो नेताओं और अन्य जनप्रतिनिधियों ने खुशी जताई है.झामुमो धनबाद जिलाध्यक्ष लखी सोरेन ने कहा कि झारखंड निर्माण में गरूजी का योगदान अतुलनीय रहा है. उन्हें मिला यह सम्मान देशभर के आदिवासी और जनजातीय समाज के लिए गौरव की बात है.धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल उर्फ शेखर अग्रवाल ने भी इस फैसले का स्वागत किया. उन्होंने कहा कि गरूजी सही मायने में भारत रत्न के हकदार हैं. उन्होंने आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना और आवाज उठाना सिखाया.उनके इसी कार्य को ध्यान में रखते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

वर्षों से लोगों की चाहत बना है दुग्धपूर्णा शीतालय

यातायात के साथ ही हर व्यवस्था का रखते हैं ध्यान, उमड़ते हैं लोग, करते हैं सराहना

विदर्भ स्वाभिमान, 21 मई

अमरावती- शहर का गौरवमयी इतिहास है. उस इतिहास में कई दशकों से राजकमल चौक स्थित और शहर ही नहीं तो जिले के जाने-माने समाजसेवी बालकिसन पाण्डेय द्वारा संचालित दुग्धपूर्णा शीतालय निश्चित तौर पर शहर ही नहीं तो जिले के लिए आभूषण है. ग्राहकों का अपार प्रेम जहां इसे मिला है, वहीं दूसरी ओर ग्राहकों के संतोष के लिए बेहतरीन गुणवत्ता के पायनापल शेक सहित अन्य शेक का स्वाद लेने के लिए शहर से बाहर गए लोग भी यहां उमड़ते हैं. जहां दुग्धपूर्णा शीतालय की गुणवत्ता की सराहना होती है, वहीं पाण्डेय परिवार द्वारा ब्राह्मण समाज के साथ ही हर समाज के लिए दिए जाने वाले योगदान की सराहना सभी करते हैं. क़ान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष के साथ ही दो दर्जन से अधिक संगठनों से जहां वे सक्रियतापूर्वक जुड़े हैं, वहीं दूसरी ओर सर्वधर्म समभाव के साथ ही पीड़ितों तथा गरीब और जरूरतमंदों की यथाशक्ति मदद करने का भाव रखते हैं. उनका कहना है कि शहर पुलिस द्वारा जहां सदा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करते हैं, वहीं बडनेरा में इतिहास रचने वाले विधायक रवि राणा, सुनील राणा के साथ ही अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया जाने वाले सेवा कार्य भी सराहनीय है.व्यवस्था में सभी से सहयोग देने का आग्रह कर ग्राहकों के प्रेम के लिए सदा आभार जताते हैं.

ज़ैन अल्पसंख्यक महामंडल को मिलेगा पूर्णकालिक एमडी,करेंगे गतिशील

विदर्भ स्वाभिमान, 21 मई

मुंबई- जैन अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल के कामकाज को अधिक गतिशील और प्रभावी बनाने के लिएऐ अब राज्य सरकार द्वारा पहल की गई है. इस दिशा में महामंडल पर पूर्णकालिक प्रबंध संचालक की शीघ्र ही नियुक्ति करने का संकल्प सरकार ने जताया है. इस मामले में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने स्पष्ट किया कि जैन समाज सेवाभावी के साथ ही मेहनती समाज है. इसके विकास के लिए सरकार द्वारा हर संभव कदम उठाया जाएगा.बुधवार को मंत्रालय में आयोजित बैठक में उन्होंने महामंडल के कामकाज की समीक्षा की. जैन समाज के सभी घटकों के विकास तथा सामाजिक और आर्थिक प्रगति के उपायों पर चर्चा कर समुचित कदम उठाने पर जोर दिया गया.

राज्य के सभी विद्यालयों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

विदर्भ स्वाभिमान,21 मई

मुंबई- बदलापुर कांड के बाद शिंदे सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं. मुंबई उपनगरीय जिले के कैबिनेट और गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मुंबई उपनगरीय के जिला कलेक्टर को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं.गार्जियन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने एक पत्र जारी करते हुए महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया. राज्य में कुछ विद्यालयों में हिंसा की घटनाएं बढ़ने को सरकार ने गंभीरता से लेते हुए इस बारे में आदेश जारी किया है. ऐसे में यह जरूरी है कि विद्यालयों में होने वाली गतिविधियों पर प्रबंधन तथा सभी का ध्यान रहे और किसी भी घटना को मौके पर रोका जा सके.

किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर को मिले सख्त निर्देश-लोढ़ा ने कहा कि 1 सितंबर से राज्य भर के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के स्कूलों/कॉलेजों में युवतियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा. महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की सभी शैक्षणिक संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए जाने चाहिए.मामले में लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है.

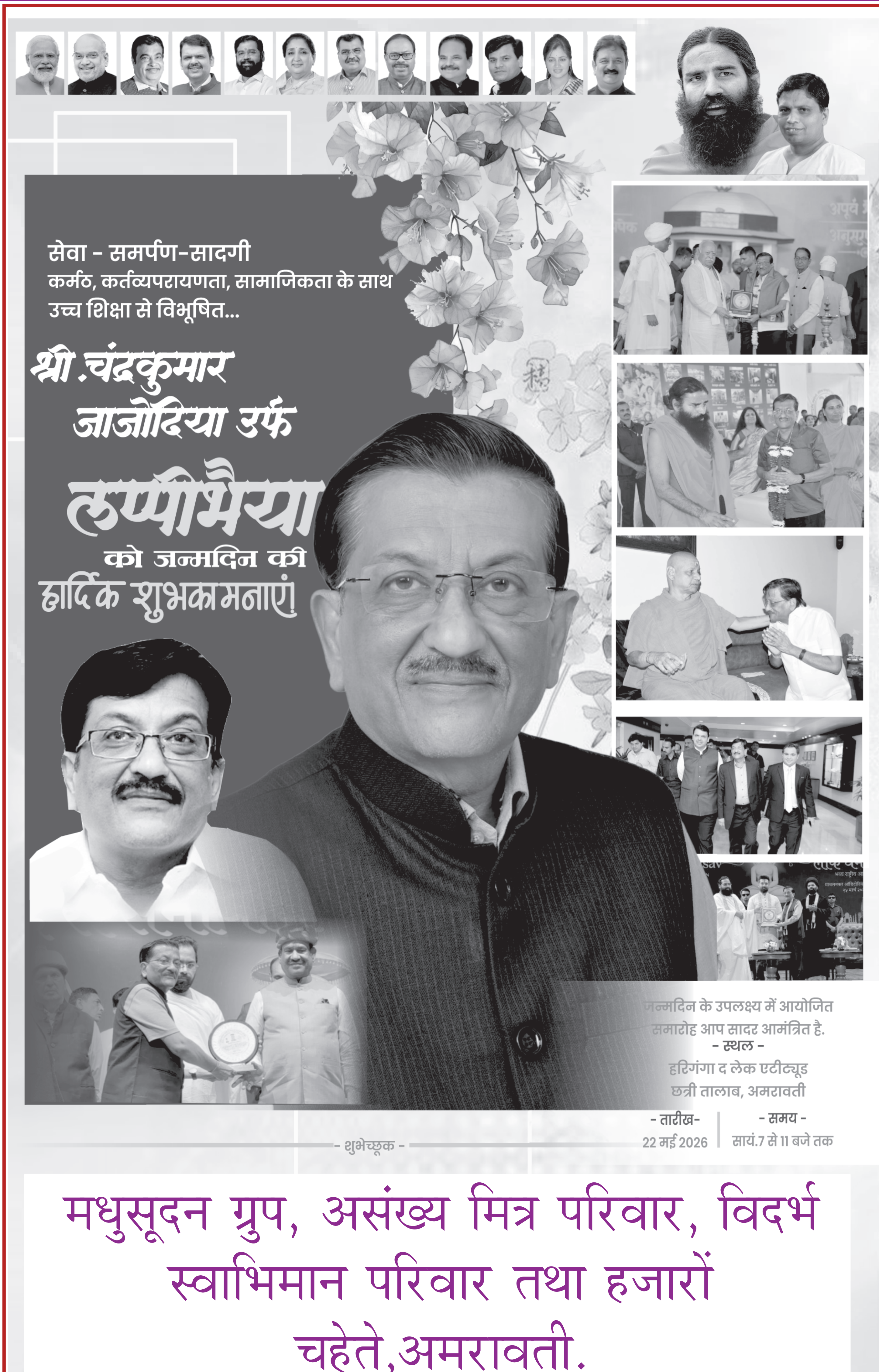

वेदवती के त्याग ने रच दिया महान इतिहास

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

ग़तांक से जारी- ऐसी प्रतिज्ञा वेदवती ने की. यह कहते वेदवती अग्नि में कूद पड़ी.तब अग्नि ने वेदवती को अपने पास छिपाकर, रावण के द्वारा सीता का अपहरण करते समय वेदवती को सीता से भी सुंदर बनाकर सीता के रूप में उसे रावण को सौंप दिया. वेदवती को अपनी पत्नी स्वाहा देवी के पास छोड़ दिया. रावण के साथ वेदवती ने लंका पहुँचकर रावण को मेरे हाथों से संहार करवाया. इस रूप में वेदवती ने रावण से अपना बदला ले लिया. फिर अग्नि के पास रहनेवाली सीता को मुझे सौंप दिया. स्वयं वेदवती उस समय ब्र्म्ह लोक चली गयी. वहाँ पर महा तप किया. कुछ समय के बाद वही वेदवती पद्म में समाकर अवनि में आकाशराज को प्राप्त हुई. वही वेदवती पद्मावती के रूप में मुझे मोहित करके अपने आपको भूल गयी है.' इस रूप में श्रीनिवास ने वेदवती के पूर्व वृत्तांत और पद्मावती के जन्म के बारे में वकुला को सुनाया. यह सुनकर बकुला ने स्वामी को देखकर कहा. 'हे देव ! महानुभाव! पहले मैंने अज्ञानी होकर आपको मनुष्य मात्र के रूप में देखा. आप तो साक्षात ब्र्म्ह हैं. आप ही ब्र्म्ह के पिता हैं. आप ही महानिर्वाण संधाता हैं. आप ही विष्णु हैं, आप ही रामचंद्र हैं, आप ही कृष्ण देव हैं, आप ही वेदात्म हैं, आप ही सर्वतोमुख हैं, आप ही कर्ता हैं, आप ही भोक्ता हैं, आप ही विश्व हैं, आप ही वराह देव और शैलाधिप हैं. हे तोयज लोचन ! आपकी इस माया

को बिना जाने अपने पुत्र के रूप में आपसे प्रेम किया. हे महात्मा! आप ही ईश्वर हैं, यह मैं जान नहीं पायी.' यह सुनकर विष्णु ने कहा. 'यहाँ पर आपने मेरी चोट को ठीक करके माँ के रूप में वात्सल्य दिया. आपका ॠण मैं कैसे चुका पाऊँगा. इसकी चिंता मुझे हो रही है.' कहते विष्णु ने वकुला पर अपनी माया को डालकर उसे वात्सल्य सद्बुद्धि को प्रदान करके फिर से इस रूप में कहा. 'हे माँ! तुम मेरा विवाह कराओ' नेह से उसी समय विवाह की बात चलाने के लिए कहा. तब वकुला देवी ने हरि की ओर देखकर 'हे पुत्र ! अब वह कन्या किस नगर में है. उस नगर के बारे में बताओ.' इस रूप में वकूला के पूछने पर हरि ने कहा.वेदवती के त्याग ने महान इतिहास रच दिया और उसका फल उन्हें प्रभु के व्यंकटेश बालाजी जन्म में मिला.

शेष अगले अंक में

ख़ुशियां बांटने वालों की खुशी का परमात्मा ध्यान देते हैं-पं.शिव गुरू शर्मा

विदर्भ स्वाभिमान,22 मई

उन्हेल/अमरावती- ज़ीवन में खुशियों की परिभाषा हर व्यक्ति की अलग-अलग होती है. ऐसे में खुशियां देने वाले को खुशियों के लिए कहना नहीं पड़ता है. आप अच्छी सोच के साथ जब कोई भी काम करते हैं, जरूरतमंद की मदद करते हैं. तब खुशी के साथ संतोष भी मिलता है. इसलिए जीवन में अगर खुशी चाहते हैं तो निश्चित तौर पर खुशियों का भाव रखें और यथासंभव देने का प्रयास करें.इस आशय का मत उज्जैन के उन्हेंल निवासी और गोलोकधाम गौशाला के प्रमुख पं.शिव गुरू ने किया.

उनके मुताबिक जब तक हम प्रभु के लिए खाली नहीं होता है तब तक हम प्रभु से नहीं मिल पाते हैं और जब तक जीवन में प्रभु के रूप में जीवन में उत्तम विचार नहीं आते हैं तब तक सदविचार,संतोष नहीं आता है.इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन राष्ट्रीय स्तर के शिव महापुराण, श्रीमद् भागवत कथा प्रवक्ता पं.शिव गुरू शर्मा महाराज ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए मनष्य जीवन का सबसे बड़ा धन यदि कोई है, तो वह है खुशी. हर व्यक्ति अपने जीवन में खुश रहना चाहता है और सुख की तलाश में निरंतर प्रयास करता रहता है. लेकिन सच्ची खुशी केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के साथ खुशियां बांटने में है. कहा भी गया है खुशी बांटने से बढ़ती है. जो व्यक्ति दूसरों के जीवन में मुस्कान लाता है, उसके जीवन में भी खुशियों का प्रकाश स्वतः फैल जाता है.खुशी एक ऐसा अनमोल खजाना है, जो बांटने से कम नहीं होता, बल्कि कई गुना बढ़ जाता है. जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, किसी दखी के चेहरे पर मस्कान लाते हैं, किसी निराश व्यक्ति को आशा देते हैं, तब जो आत्मिक संतोष मिलता है, वही सच्ची खुशी है. यह खुशी किसी धन-दौलत से खरीदी नहीं जा सकती.

समाज में ऐसे अनेक लोग हैं, जो सेवा और परोपकार के माध्यम से दूसरों के जीवन में उजाला भरते हैं. वे अनाथों की मदद करते हैं, गरीबों को भोजन कराते हैं, जरूरतमंदों की सहायता करते हैं और बदले में उन्हें जो संतोष मिलता है, वही उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशी बन

शेष पेज 2 पर

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

धर्मसेवा,मानवता सेवा में अग्रणी हैं वैद्य बंधु

पंकज-अतुल वैद्य के जन्मदिन पर विशेष,संयुक्त परिवार को मानते हैं सबसे बड़ी ताकत

विदर्भ स्वाभिमान

शहर ही नहीं तो भवन निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी श्री वैद्य बंधु जहां भाईयों के बीच अपार प्रेम के लिए जाना जाता है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत परिवार है. संयुक्त परिवार की ताकत कितना बदलाव लाया जा सकता है, इसका आदर्श उदाहरण पंकज-अतुल तथा सचिन वैद्य परिवार है. 18 मई को दोनों भाईयों का संयुक्त जन्मदिन रहता है, इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम मनाया जाता है. मानवता की सेवा में सदा प्रयास करने वाले वैद्य बंधुओं का विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा दिल से अभिनंदन.

जीवन में जो लोग मेहनत से डरते हैं, वे जीवन में कभी कामयाब नहीं हो सकते हैं. बचपन से ही हमें जीवन का संघर्ष सिखाया जाता है. कहा जाता है कि जीवन में अगर कामयाबी प्राप्त करनी है तो लगन, जिद, मेहनत और जीवन का लक्ष्य तुम्हे ही तय करना है. इसके साथ ही जीवन में माता-पिता का आशिर्वाद और अपनों का साथ कामयाबी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. जीवन में संघर्षों से जूझते हुए आज शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के भवन निर्माता वैद्य बंधुओं की कहानी भी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है. जीवन में उन्होंने बचपन से लेकर जो संघर्ष किया लेकिन कभी हार नहीं मानी. पिता के स्वर्गवास के बाद मां ने जिस तरह से तीनों बच्चों को संभाला और इस परिवार में मिली साक्षात लक्ष्मी रूपी बहुओं ने जिस तरह से परिवार की एकता को मजबूत बनाने और देवरानी-जेठानी की बजाय सगी बहनों इतना प्रेम एक दूसरे को देकर परिवार को एक कड़ी में बांधे रखा, वह काबिले तारीफ है. जिंदगी एक ही बार मिलती है. परिवार से बड़ी खुशी कहीं नहीं मिलती है. जिन घरों में ऐसी संस्कार वान बहुएं हों, वहां कभी समस्या आ ही नहीं सकती है. तीनों ही भाईयों का आपसी प्रेम, आपसी समझदारी को ही कामयाबी का राज पंकज भाई बताते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में अगर सही नियोजन हो और सही तरीके से जीवन का सलीका प्राप्त हो जाए तो जिंदगी खुशनुमा बन जाती है. आज उनकी विश्वसनीयता का परिचायक इसे कहा जा सकता है कि एक साथ 15-17 साइटें शुरू रहती हैं. तमाम सुविधाओं के बाद भी तीनों ही भाईयों की मेहनत उनकी कामयाबी का स्वयं सबूत है. केवल व्यवसाय ही नहीं सामाजिक दायित्व निभाने में भी पंकज वैद्य, अतुल वैद्य के साथ ही सचिन वैद्य आगे रहते हैं. गरीबों की मदद हो अथवा अन्य कार्य सदैव अग्रणी रहते हैं. दोनं ही भाईयों को जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. जीवन में सब कुछ तैयार रहने के बाद जहां आज के दौर में टिकाए रखना चुनौती भरा काम हो गया है, वहीं गरीबी, संघर्ष, मुसीबत, परिवार के आजीविका की चिंता के बीच पल्ले पड़ी गरीबी से जूझते हुए स्वयं का न केवल स्थान पैदा करना बल्कि आज अन्यों के लिए प्रेरणादायी बनने वाले लोगों की संख्या एकदम कम है. ऐसे में कुछ ही लोग स्थितियों से जूझते हुए स्वयं का मकां बनाने के साथ ही अन्यों के लिए उदाहरण साबित होने वाले हैं. ऐसे ही लोगों में शुमार है हमारे अजीज मित्र, संघर्षों में तपकर सोना हुए पंकज वैद्य और अतुल वैद्य. जुड़वा भाई होने के साथ ही दोनों ही भाईयों की दो शरीर एक जान वाली भूमिका निश्चित ही जितनी आकर्षक है, दोनों के बीच का प्रेम उतना ही प्रेरणादाई है. आज जब स्वयं को संस्कारित कहने वालों में भाई प्रेम के महत्व को नहीं समझने वाली मानसिकता है, ऐसे में वैद्य ब्रदर्स निश्चित तौर पर अन्यों के लिए आदर्श से कम नहीं हैं. दोनों भाईयों के साथ नन्हीं परी को जन्मदिन की विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. पंकज भैया की सादगी जहां सभी को आकर्षित करती है, वहीं माता-पिता की उनकी भक्ति, मां की आदर्श सीख इस परिवार की खुशियों का सबसे बड़ा कारण है. बहुएं भी समझदार, एक-दूसरे का केअर करने वाली रहने के कारण वैद्य परिवार में स्वर्ग से माहौल की अनुभूति होती है. दोनों भाईयों का जन्मदिन है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि दोनों ही भाईयों के साथ ही तीन भाईयों का यह परिवार ऐसे लोगों के लिए उदाहरण बन सकता है जो अपनी छोटी सी कामयाबी पर इतराते हैं. दूसरे को कम आंकते हैं.संतश्री गजानन महाराज और प्रभु गोविंदा के भक्त तीनों ही भाईयों में सद्गुरू को लेकर अपार श्रद्धा है. वे कहते हैं कि लहरों से डरकर नैया पार नहीं होती और कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती है, इसी कविता ने उनके जीवन को सदैव प्रेरणा प्रदान करने का काम किया. सुख्यात भवन निर्माता के साथ ही कई संगठनों से जुड़े रहने वाले पंकज वैद्य सेवाभावी व्यक्तित्व के साथ ही पूरे परिवार को एकता के सूत्र में जहां बांधने में सफल हुए हैं, वहीं दूसरी ओर सामाजिक दायित्व की भावना से सदैव नेक कामों में योगदान देने से नहीं चूकते हैं. मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा और इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म मानने वाले पंकज भैया के आदर्श विचारों पर ही उनका पूरा परिवार चल रहा है. अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष की तैयारी पर तीनों ही भाईयों को पूरा यकीन था. माताजी ने जहां बच्चों में आदर्श संस्कार डालने में कोई कमी नहीं की थी, वहीं ईमानदारी तथा नीतिमत्ता से काम करने की सीख माता-पिता ने दिया था. अंत में शायरी के साथ

युवा सोच, मजबूत इरादे और सेवा का है मान,
आप जैसे नेता से ही बढ़ता है समाज का सम्मान।
हर दिन नई ऊँचाइयों को छूते रहें आप,
जन्मदिन पर यही है हमारी शुभकामना खास।

विदर्भ स्वाभिमान अखबार डेस्क,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 / 43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

नयन आईस गोला क़े सामने लगता है ग्राहकों का मेला

गुणवत्ता के साथ विनम्रता,तत्पर सेवा तथा परिवार के साथ ने बनाया है अग्रणी,स्वाद के सभी दिवाने

विदर्भ स्वाभिमान, 22 मई

अमरावती- बडनेरा रोड पर हर दिन शाम 6 बजे के बाद मेला जैसा माहौल वर्षों से ग्राहकों की चाहत और जरूरतों को पूरा करने वाले नयन आईस गोला ने पूरा किया है. स्थिति यह है कि संयुक्त परिवार किसी व्यवसाय को किस तरह शानदार कामयाबी की ऊंचाई पर पहुंचा जा सकता है, इसका उदाहरण यह प्रतिष्ठान है. संचालिका कमलाताई के साथ बेटे संतोष तथा पूरा परिवार ही गर्मी के चार महीने के दौरान यहां सेवाएं देता है. ग्राहकों की चाहत तथा जरूरत यह बन गया है. यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में ग्राहक उमड़ते हैं. यातायात व्यवस्था बनाए रखने का कार्य यहां होता है. इसकी संचालिका कमलाताई बानेवार, पुत्र संतोष,रतन के साथ ही बहुओं और परिवार के सदस्यों का योगदान इसे मिलता है.ग्राहकों के साथ ही विनम्रता वाला व्यवहार तथा सभी के मामले में अपनेपन का अनुभव यहां आने वाले हर ग्राहक को आता है.सुबह से लेकर रात्रि 11 बजे तक यहां ग्राहकों की भीड़ रहती है.संघर्ष से सफलता तक का सफर कमलाताई ने हासिल किया है. उन्हें अभी तक कई पुरस्कार प्राप्त हुआ है. ग्राहकों से लाभ लेने तथा स्वयं अनुभव लेने का आग्रह उन्होंने किया.

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

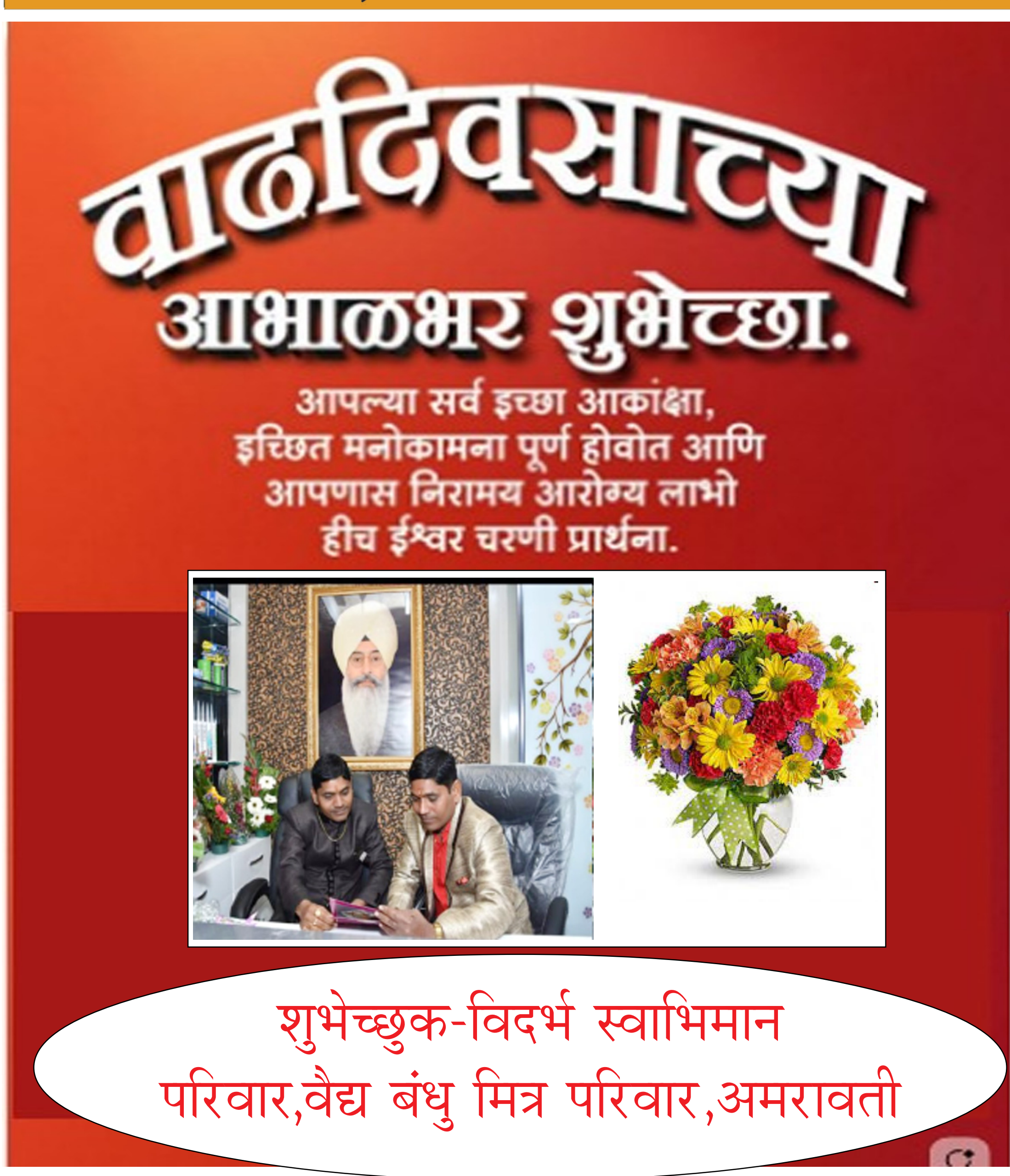

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान
75 आजादी का अमृत महोत्सव
आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -

विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय

छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.

मो. 9423426199, 8855019189

सेवा परमोधर्म के प्रतीक हैं समाजसेवी लप्पीभैया

अमरावती शहर ही नहीं तो जिले की शान के रूप में समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया का उल्लेख किया जा सकता है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शतकपूर्ति के उपलक्ष्य में लगातार जारी स्वास्थ्य शिविर का जहां हजारों गरीब और जरूरतमंद लाभ ले रहे हैं, वहीं आदिवासियों के कल्याण के लिए कई शालाओं का पितृत्व स्वीकार करते हुए समाजसेवा की गंगा बहाने के साथ राष्ट्र निर्माण में अधिकाधिक योगदान के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों को अमल में ला रहे हैं. धार्मिकता से ओतप्रोत रहने वाले चंद्रकुमार जाजोदिया ऐसे धनवान हैं, जिन्होंने युवाओं को संस्कारी बनाने के लिए महाराष्ट्र में 108 श्रीमद् भागवत कथाओं का संकल्प किया है और अभी तक 80 के करीब श्रीमद् भागवत कथाएं पूरी करते हुए संस्कारित युवा ही देश का भविष्य होने की बात को साबित किया है.अमरावती में धनाढ्यों की कमी नही है.

धन का सही उपयोग जन की सेवा में ही रहने की बात को मानने वाले और उस पर ही अमल करने वाले समाजसेवी व्यक्ति के रूप में चंद्रकुमारउर्फ लप्पीभैया जाजोदिया हैं. स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जहां उनका समाजसेवा का दायरा चलता है, वहीं वे जितने सम्पन्न व्यवसायी हैं, उससे भी कई गुना बेहतरीन संजीदा और भावनाओं को समझने वाले व्यक्ति हैं. आदिवासी बच्चों की स्कूल गोद लेना हो, गरीबों की मदद हो, किसानों की सहायता, गरीब बेटियों की मदद वे सदैव अग्रणी रहते हैं. यही कारण है कि लाखों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किया है.

धनवान होना आसान है. लेकिन अपनी मेहनत की कमाई से सामाजिक कामों में योगदान देना बड़ी बात होती है. अमरावती में अमीरों की कमी नहीं है. लेकिन सम्पन्नता में भी विनम्रता की जिस तरह की शालीनता राष्ट्रीय स्तर के दानशूर और समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया में है, वह आज के दौर में कम दिखाई देती है. माता-पिता की सेवा करनेवाले को किसी तीर्थ या धाम में जाने की जरुरत नहीं रहती है.उसकी इस सेवा से भगवान स्वयं ही खुश होते हैं और उसकी हर चाहत को पूरा करते हैं.भैया को अमरावती शहर को लेकर अपार गर्व रहता है.यही कारण है कि मुंबई में व्यवसाय स्थापित करने के बाद भी अमरावती से उनका अत्याधिक लगाव रहता है. भैया के मुताबिक शहर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, इसलिए उसे लौटाने का थोड़ा-बहुत प्रयास करते हैं. उनके कार्यालय में किसी मंत्री या सांसद की तरह ही भीड़ उनकी लोकप्रियता तथा सभी की मदद करने वाली दरियादिली की परिचायक है. उनके मुताबिक हमारी सम्पन्नता का लाभ अगर हम किसी को दे सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम और क्या हो सकता है.अपना स्वयं का अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि आज वे जो कुछ भी हैं, माता-पिता का आशिर्वाद है.

अपने सेवा कार्यों का पूरा श्रेय पिता स्व.मधुसूदनजी जाजोदिया,माता के आदर्श संस्कारों को देते हैं.उनका मानना है कि युवा ही देश के भविष्य हैं और उनसे ही देश का भविष्य जुड़ा है. ऐसे में व्यसनमुक्त पीढ़ी ही देश का कल्याण कर सकती है.शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में सुख्यात लप्पीभैया धार्मिकता के साथ ही कर्म पर भी उतना विश्वास रखते हैं. रोज किसी मंत्री से भी अधिक कार्यक्रमों में अतिथि का सौभाग्य उन्हें प्राप्त होता है. लेकिन हर जगह उनकी शालीनता उपस्थितों पर असर करती है.

वे कहते हैं कि सेवा परमों धर्म होता है. अच्छी सोच, अच्छे काम ही लोगों को सदा याद आते हैं. लोगों की दुवाओं को कामयाबी का माध्यम मानते हैं. आज यही कारण हैं कि जीवन में उन्हें हर वह कामयाबी मिली है, जिसकी उन्होंने चाहत रखी है.भैया के सभी दलों के नेताओं के साथ पारिवारिक संबंध है. इसके बाद भी उनकी सादगी, मिलनसार स्वभाव किसी को भी प्रभावित करता है.भैया की सभी चाहते पूरी हों, स्वस्थ रहें, दीर्घायु प्रदान हो, प्रभु चरणों में यही कामना. भैया को जन्मदिन की करोड़ों हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना, जन्मदिन की शुभकामनाएं.अंत में यह शायरी उन्हें समर्पित है...

जनसेवा का जज्बा दिल में लेकर जो चलता है,
वही सच्चा नेता बनकर लोगों के दिलों में बसता है।
ऐसे प्रेरणादायक युवा नेता को जन्मदिन की बधाई,
आपकी सफलता से ही समाज में खुशहाली आई।

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

ग्राम पंचायत कार्यालय,पिंपळखुटा (बु)
तालुका-वरूड़, जिल्हा अमरावती.

-निविदा सूचना-

ता. वरुड, जि. अमरावती याद्वारे कळविण्यात येते की, सन २०२५-२६ चा उन्हाळा विशेष पाणी टंचाई अंतर्गत विशेषनळ योजना दुरुस्तीचे कामे नोदणीकृत कंत्राटदाराकडून लिफाफा व बी-१ पद्धतीने निविदा मागविण्यात येत आहे. कोरी निविदा सरपंच/सचिव, ग्रामपंचायत पिंपळखुटा(बु) ता. वरुड, जि. अमरावती यांचेकडून देण्यात येतील.

अ. क्र.	कामाचे नाव	कामाची किमत	लेखाशिर्ष	बयाना रक्कम	निविदा फी	कोऱ्या निविदा मिळविण्याच्या व स्वीकारण्याचा दिनाक व वेळ	निविदा उघडण्याचा दिनाक व वेळ
१	मौजा वावरूळी ग्रा. व पिंपळखुटा ता. वरुड नळ व पाणीपुरवठा विशेष दुरुस्ती करणे पाणी टंचाई सन २०२५-२६ (उन्हाळा२०२६)	८३८९६९	पाणीटंचाई सन-२०२५-२६ चा उनाळा	१%	५००/-	२१/०५/२६ ते २३/०५/२०२६ सायंकाळी ४ वाजेपर्यंत	२४/०५/२०२६ दुपारी१२ वाजता (शक्य झाल्यास)

टीप:-

१. निविदेच्या अटी व शर्ती ग्रामपंचायत कार्यालय, बु) ता. वरुड, जि. अमरावती यांचे कार्यालयात वेळेत पहावयास मिळतील.
२. निविदा ह्या लिफाफे पद्धतीने सादर करावयाच्या आहेत.
३. निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार ग्रामपंचायतने राखून ठेवलेले आहे.

सरपंच/सचिव
ग्रामपंचायत पिंपळखुटा
ता. वरुड, जि. अमरावती

श्रीमद् भागवत कथा से धौरहरा हुआ श्रीराधे श्रीकृष्णमय

पं.अवधनारायण शुक्ल कथा सुनने उमड़े भक्त,दो दर्जन से अधिक गांव से पहुंचे भक्त,बना माहौल

विदर्भ स्वाभिमान,21 मई

पट्टी/धौरहरा- श्रीमद् भागवत कथा जीवन दर्शन है. इसमें दुनिया की ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसका समाधान नहीं है. इसमें तथा सनातन धर्म की महानता को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है. यह कथा सुनने से भक्त को मोक्ष की प्राप्ती होती है. कथाएं सुनने से नहीं बल्कि इसे जीवन में उतारने और अपने चाल-चरित्र के अंतर को दूर करने की सलाह पं.अवध नारायण शुक्ल उर्फ वियोगी महाराज ने कथा के दौरान दिए. 14 मई से धौरहरा में समस्त दुबे परिवार और मुख्य यजमान पं.राधेश्याम दुबे, पं.रामप्रसाद दुबे के कुशल नेतृत्व में शुरू कथा का हजारों की संख्या में भक्तों ने लाभ लिया. 22 मई को महाप्रसाद कार्यक्रम में भी हजारों भक्तों ने लाभ उठाया. बेहतरीन बिछायत व्वस्था पवन कुमार तिवारी की थी और साऊंड सिस्टिम को सोनू ने संभाला. कुल मिलाकर कई लोगों ने यहां तक कहा कि गांव में इससे पूर्व भी कथाएं हुई लेकिन 47 डिग्री सेल्सियस की धूप में दो दर्जन से अधिक गांवों के भक्तों ने कथा कारसपान किया.

पं. अवध नारायण शुक्ल द्वारा अपने गुरू का पूजन और सम्मान कर कथा की शुरूवात की जाती थी. ज़ीवन में प्रभु की भक्ति और कृपा अगर आप पर होती है तो निश्चित तौर पर यह प्रभु की असीम कृपा है. दुबे परिवार द्वारा 14 से 21 मई तक आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ने जहां समां बांधा वहीं कथा के बाद आचार्य शैलेश मिश्रा का संगीतमय सुंदरकांड तथा भजन कार्यक्रम, इसमें जाने-माने ढोल वादक राजनाथ मिश्रा की सराहना और पुरस्कारों की बौछार का कार्यक्रम भी चलता रहा. कथा सुनने के लिए धौरहरा बल्कि तिबीपुर, तिवारीपट्टी और आसपास के दर्जनों गांवों में उत्साह व्याप्त था. कथा के मुख्य यजमान और चारों धाम की यात्रा के साथ ही भगवान जगन्नाथ की यात्रा पूरी करने वाले तहसील पट्टी में स्टैम्प विक्रेता पं.राधेश्याम दुबे तथा रामप्रसाद दुबे के कुशल नेतृत्व में तीन पीढ़ियों के सहयोग से यह भव्य कथा हुई.इस दौरान राजेश दुबे, सर्वेश दुबे के साथ बहन रंजीता, अंतिमा के अलावा रेणु, सुनीता दुबे, बेटी प्रिंशु सहित सभी ने योगदान दिया. राजेश,सर्वेश के सेवाभाव की सराहना भी सभी अतिथियों ने किया. संयुक्त परिवार की ताकत का दर्शन भी इस धार्मिक आयोजन ने कराया. कायक्रम में दुबे परिवार के सुनील दुबे ने जहां शारीरिक श्रम की पराकाष्ठा की, वहीं दूसरी ओर कथा सुनने के लिए आए भक्तों के साथ ही परिवार के सदस्यों का पूरा ख्याल अनुज राजेश दुबे, सर्वेश दुबे के साथ ही सत्यप्रकाश दुबे, राजेन्द्र प्रसाद, जगदीश प्रसाद, सुभाष दुबे सहित घर की सभी बहुओं और बेटियों ने बेहतरी ढंग से निभाई. उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह 5 बजे शुरू होने वाली दिनचर्या रात 12 बजे तक शुरू रहने के बाद भी किसी भी चेहरे पर थकान नहीं दिखाई देती थी.

विद्वान अवधनारायण शुक्ला उर्फ वियोगी महाराज ने अपनी कथा से सभी को प्रभावित किया. उन्हें मंच पर लाने के लिए जिस तरह से स्वागत सत्कार किया जाता था, वह भी सराहनीय रहा. आचार्य तिवारी और वृंदावन राहुल मिश्रा ने मंत्रोच्चार के बीच सात दिवसीय कथा सम्पन्न हुआ.

महाप्रसाद में उमड़े भक्त

कार्यक्रम का समापन 22 मई को भव्य महाप्रसाद से हुआ. इसमें दो दर्जन से अधिक गांवों के हजारों भक्तों ने लाभ लिया. बेहतरीन व्यवस्था के साथ ही सप्ताह भर विदर्भ स्वाभिमान का वितरण हर भक्त को किया गया. उसकी सराहना हजारों लोगों ने की. यह आयोजन शानदार और यादगार रहा.

कार्यक्रम की सफलतार्थ श्रीमती शिवपतीदेवी दुबे,शिवप्रसाद दुबे, राधेश्याम दुबे, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, ज़गदीश दुबे, सुभाष दुबे, राजेश दुबे, सुनील दुबे, सर्वेश दुबे, सत्यप्रकाश दुबे सहित सभी दुबे परिवार के सदस्यों ने प्रयास किया जा रहा है.सप्ताह भर तक गांव में श्रीमद् भागवत की कथा से पूरा क्षेत्र ही श्रीराधेकृष्णमय होने वाला है. क़था प्रवक्ता पं.अवध नारायण शुक्ल उर्फ वियोगी महाराज भी जाने-माने विद्वान हैं और अभी तक उनकी 500 से अधिक कथाएं हो चुकी हैं.

इन पुण्यात्माओं का आशिर्वाद

भक्तिभाव,सेवाभाव के साथ ही आदर्श संस्कारी दुबे परिवार पर बुजुर्गों का आशिर्वाद बरसा है कि यह मौका परिवार को मिला है. इसके लिए दादाजी स्व.पारसनाथजी दुबे,स्व.शिरताजी दुबे,बाबूजी स्व.जमुनाप्रसादजी, परिवार के त्याग की मूर्ति स्व.गयाप्रसादजी, चाची स्व.द्रोपदीदेवी, स्व. निर्मलादेवी के पावन आशिर्वाद से यह श्रीमद् भागवत कथा हुई और दो दर्जन गांवों ने इसका लाभ लिया.इसका नेतृत्व पंडित रामप्रसाद दुबे, राधेश्यामजी दुबे, श्रीमती शिवपतीदे के अलावा सुनील दुबे, अनिल दुबे, राजेन्द्र प्रसाद, जगदीश प्रसाद, सुभाषचंद्र दुबे, सत्यप्रकाश दुबे, प्रिंशु, मोनू, आर्यन के साथ रानी के अलावा बहुओं ने भी अथक प्रयास किया. बेटियों में गीता, सौ. दुबे सुनीता, रंजीता, अंतिमा, के अलावा तीसरी पीढ़ी के सदस्यों ने दिनरात एक कर दिया. कुल मिलाकर धौरहरा में हुई यह कथा यादगार साबित हुई. सभी ने कथा में जहां योगदान दिया, वहीं पूरा दुबे परिवार इस कथा से पावन हो गया. यज्ञ शाला की बनावट के अलावा 15 मई को श्रीमद् भागवत कथा विशेषांक का विमोचन तथा वितरण सप्ताह भर होता रहा. महाप्रसाद का दो हजार से अधिक भक्तों ने लाभ उठाया और समस्त दुबे परिवार के आयोजन, नियोजन की जमकर सराहना की.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें. मानवता की सेवा तथा राष्ट्रधर्म को समर्पित तथा पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को महत्व देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मदद तथा आपके विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189